Vizle

बिस्कोहर की माटी

Magnet Brains

This PDF is generated automatically by Vizle.

Slides created *only for a few minutes* of your Video.

For the full PDF, please **Login to Vizle**.

https://vizle.offnote.co (Login via Google, top-right)

Stay connected with us:

Join us on Facebook, Discord, Quora, Telegram.

ोहर की माटी

Vizle

Vizle

अंतराल भाग 2

बिस्कोहर की माटी पाठ का सार

प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी में लेखक अपने गांव तथा वहां के प्राकृतिक परिवेश , ग्रामीण जीवन शैली ,गांव में प्रचलित घरेलू उपचार तथा अपनी मां से जुड़ी यादों का वर्णन करता है। कोईयाँ एक प्रकार का जलपुष्प है। इसे कुमुद और कोकावेली भी कहते हैं। शरद ऋतु में जहां भी पानी एकत्रित होता है। कोईयाँ फूल उग जाता है। शरद की चांदनी में कोईयाँ की पत्तियां तथा उजली चांदनी एक से लगती है।इस पुष्प की गंध अत्यंत मादक होती है।

लेखक के अनुसार बच्चे का मां से संबंध भी अद्भुत होता है। बच्चा जन्म लेते ही मां के दूध को भोजन के रूप ग्रहण करता है। नवजात शिशु के लिए दूध अमृत के समान है , बच्चा मां से सिर्फ दूध ही ग्रहण नहीं करता उससे संस्कार भी ग्रहण करता है। जो उसके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं। बच्चा सुकबुकता है , रोता है , मां को मारता है , मां भी कभी-कभी मारती है फिर भी बच्चा मां से चिपका रहता है। बच्चा , मां के पेट से गंध , स्पर्श , भोक्ता है , बच्चा दांत निकलने पर टीस्ता है अर्थात हर चीज को दांत से काटता है।

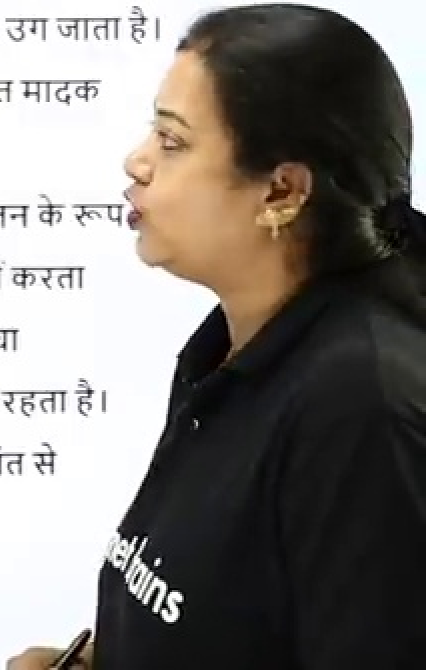

बिस्कोहर की माटी पाठ का सार

अंतराल भाग 2

प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी में लेखक अपने गांव तथा वहां के प्राकृतिक परिवेश , ग्रामीण जीवन शैली ,गांव में प्रचलित घरेलू उपचार तथा अपनी मां से जुड़ी यादों का वर्णन करता है। कोईयाँ एक प्रकार का जलपुष्प है। इसे कुमुद और कोकावेली भी कहते हैं। शरद ऋतु में जहां भी पानी एकत्रित होता है। कोईयाँ फूल उग जाता है। शरद की चांदनी में कोईयाँ की पत्तियां तथा उजली चांदनी एक से लगती है।इस पुष्प की गंध अ
होती है।

लेखक के अनुसार बच्चे का मां से संबंध भी अद्भुत होता है। बच्चा जन्म लेते ही मां के दूध को भी
ग्रहण करता है। नवजात शिशु के लिए दूध अमृत के समान है , बच्चा मां से सिर्फ दूध ही ग्रहण न
उससे संस्कार भी ग्रहण करता है। जो उसके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्माण में सहायक हो
सुकबुकता है , रोता है , मां को मारता है , मां भी कभी-कभी मारती है फिर भी बच्चा म
बच्चा , मां के पेट से गंध , स्पर्श , भोक्ता है , बच्चा दांत निकलने पर टीस्ता है अर्थात ह
काटता है।

Vizle

Vizle

अंतराल भाग 2

बिस्कोहर की माटी पाठ का सार

प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी में लेखक अपने गांव तथा वहां के प्राकृतिक परिवेश , ग्रामीण जीवन शैली ,गांव में प्रचलित घरेलू उपचार तथा अपनी मां से जुड़ी यादों का वर्णन करता है। कोईयाँ एक प्रकार का जलपुष्प है। इसे कुमुद और कोकावेली भी कहते हैं। शरद ऋतु में जहां भी पानी एकत्रित होता है। कोईयाँ फूल उग जाता है। शरद की चांदनी में कोईयाँ की पत्तियां तथा उजली चांदनी एक से लगती है।इस पुष्प की गंध अत्यंत मादक होती है।

लेखक के अनुसार बच्चे का मां से संबंध भी अद्भुत होता है। बच्चा जन्म लेते ही मां के दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करता है। नवजात शिशु के लिए दूध अमृत के समान है , बच्चा मां से सिर्फ दूध ही ग्रहण नहीं करता उससे संस्कार भी ग्रहण करता है। जो उसके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्माण में सहायक [illegible] हैं। बच्चा सुकबुकता है , रोता है , मां को मारता है , मां भी कभी-कभी मारती है फिर भी बच्चा मां से [illegible] रहता है। बच्चा , मां के पेट से गंध , स्पर्श , भोक्ता है , बच्चा दांत निकलने पर टीस्ता है अर्थात हर चीज [illegible] काटता है।

Vizle

अंतराल भाग 2

बिस्कोहर की माटी पाठ का सार

प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी में लेखक अपने गांव तथा वहां के प्राकृतिक परिवेश , ग्रामीण जीवन शैली ,गांव में प्रचलित घरेलू उपचार तथा अपनी मां से जुड़ी यादों का वर्णन करता है। कोईयाँ एक प्रकार का जलपुष्प है। इसे कुमुद और कोकावेली भी कहते हैं। शरद ऋतु में जहां भी पानी एकत्रित होता है। कोईयाँ फूल ज... है। शरद की चांदनी में कोईयाँ की पत्तियां तथा उजली चांदनी एक से लगती है।इस पुष्प की गंध अत्य... होती है।

लेखक के अनुसार बच्चे का मां से संबंध भी अद्भुत होता है। बच्चा जन्म लेते ही मां के दूध को भोज... ग्रहण करता है। नवजात शिशु के लिए दूध अमृत के समान है , बच्चा मां से सिर्फ दूध ही ग्रहण नहीं... उससे संस्कार भी ग्रहण करता है। जो उसके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्माण में सहायक हो... सुकवुकता है , रोता है , मां को मारता है , मां भी कभी-कभी मारती है फिर भी बच्चा मा... बच्चा , मां के पेट से गंध , स्पर्श , भोक्ता है , बच्चा दांत निकलने पर टीस्ता है अर्थात ह... काटता है।

बिस्कोहर की माटी पाठ का सार

अंतराल भाग 2

प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी में लेखक अपने गांव तथा वहां के प्राकृतिक परिवेश , ग्रामीण जीवन शैली ,गांव में प्रचलित घरेलू उपचार तथा अपनी मां से जुड़ी यादों का वर्णन करता है। कोईयाँ एक प्रकार का जलपुष्प है। इसे कुमुद और कोकावेली भी कहते हैं। शरद ऋतु में जहां भी पानी एकत्रित हो[illegible]कोईयाँ फूल उग जाता है। शरद की चांदनी में कोईयाँ की पत्तियां तथा उजली चांदनी एक से लगती है। [illegible] अत्यंत मादक होती है।

लेखक के अनुसार बच्चे का मां से संबंध भी अद्भुत होता है। बच्चा जन्म लेते [illegible]की भोजन के रूप में ग्रहण करता है। नवजात शिशु के लिए दूध अमृत के समान है , बच्चा मां से सिर्फ[illegible] करता उससे संस्कार भी ग्रहण करता है। जो उसके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्माण [illegible] सुकबुकता है , रोता है , मां को मारता है , मां भी कभी-कभी मारती है [illegible] बच्चा , मां के पेट से गंध , स्पर्श , भोक्ता है , बच्चा दांत निकलने पर टी[illegible] काटता है।

Vizle

बिस्कोहर की माटी पाठ का सार

अंतराल भाग 2

प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी में लेखक अपने गांव तथा वहां के प्राकृतिक परिवेश , ग्रामीण जीवन शैली ,गांव में प्रचलित घरेलू उपचार तथा अपनी मां से जुड़ी यादों का वर्णन करता है। कोईयाँ एक प्रकार का जलपुष्प है। इसे कुमुद और कोकावेली भी कहते हैं। शरद ऋतु में जहां भी पानी एकत्रित होता है। ... उग जाता है। शरद की चांदनी में कोईयाँ की पत्तियां तथा उजली चांदनी एक से लगती है।इस पुष्प ... मादक होती है।

लेखक के अनुसार बच्चे का मां से संबंध भी अद्‌भुत होता है। बच्चा जन्म लेते ही मां ... न के रूप में ग्रहण करता है। नवजात शिशु के लिए दूध अमृत के समान है , बच्चा मां से सिर्फ द... करता उससे संस्कार भी ग्रहण करता है। जो उसके चरित्र तथा व्यक्तित्व निर्मा... सुकबुकता है , रोता है , मां को मारता है , मां भी कभी-कभी मारती है ... बच्चा , मां के पेट से गंध , स्पर्श , भोक्ता है , बच्चा दांत निकलने पर ... काटता है।

This PDF is generated automatically by Vizle.

Slides created *only for a few minutes* of your Video.

For the full PDF, please **Login to Vizle**.

https://vizle.offnote.co (Login via Google, top-right)

Stay connected with us:

Join us on Facebook, Discord, Quora, Telegram.